REVIEW OF RESEARCH
ISSN: 2249-894X
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF)

"शिवकालीन वनदुर्गाची भौगोलिक वैशिष्टये"

डॉ.एम.ए.पाटील
सहाय्यक प्राध्यापक, भूगोलशास्त्र विभाग श्री.विजयसिंह यादव कला, विज्ञान महाविद्यालय,
पेठ वडगांव, जि. कोल्हापूर.

प्रस्तावना

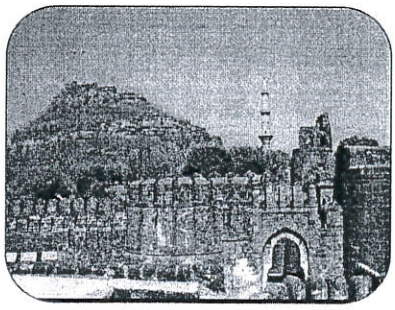

'महाराष्ट्र वास्तविक पाहता दुर्ग किल्यांचा प्रदेश आहे. सहयाद्रीच्या परिसरात भटकंती केली असता आपणास २/४ शिखरांमध्ये एखाद्या शिखरावर किल्ल्यांची तटबंदी आढळते. अशा बहुतेक दुर्गावर श्री.' शिवाजी महाराजांनी जावून परिसर पावन केला आहे. किल्ल्यांच्या सभोवतालचा प्रदेश पाहून निसर्गाने किती विपुल दान महारा ट्राला केलेले आहे हे जाणवते. बुलंद, बेलाग आणि बळकट दुर्ग किंवा डोंगरी किल्ल्यांबरोबरच कोकण किनारपट्टी संरक्षित करण्यासाठी सिंधुदुर्ग व पद्मदुर्गसारखे जलदुर्ग बांधले. महाराष्ट्रात पठारावर जमीनीवरील किल्ले किंवा भुईकोट किल्ले बांधलेले आहेत. यापैकी अहमदनगर, चाकण, नळदुर्ग सारखे किल्ले आहेत.

प्राचीन काळात किल्लयांचे अनेक प्रकार होते. पैकी ४ महत्वाचे स्थलदुर्ग, जलदुर्ग, गिरीदुर्ग व वनदुर्ग. कवि परमानंदाच्या शिवभारतातील ६ व्या अध्यायात एक लोक आहे. प्रभावी गिरीदुर्गाणी, वनदुर्गाणी चाण्ययम ! तथासलील दुर्गाणी स्थलदुर्गाणी गोरथाणी.

किल्ले

१. स्थलदुर्ग/ भुस्थित/ भुईकोट	२. सलीलदुर्ग/ जलदुर्ग	३. गिरीदुर्ग/ डोंगरी	४. वनदुर्ग
अ.नगर, चाकण, नळदुर्ग, सोलापूर	सागरी—सिंधुदुर्ग,जंजिरा विजयदुर्ग, वसई	कर्नाळा, लिंगाणा सिंहगड	

महाराष्ट्रातील जिल्हावार किल्ले

१. ठाणे – १. अर्नाळा (२) मलंगगड/हाजीमलंग (३) भंडारगड (४) वसई

२. रायगड – १. अवचितगड (२) बाणकोट (३) सर्जेकोट/हिराकोट (४) कर्नाळा (५) मंगलगड (६) चंद्रगड (७) पद्मदुर्ग/कासा (८) विश्रामगड (९) कोतळीगड (१०) खांदेरी/उंदेरी (जयदुर्ग) (११) खेडदुर्ग/सागरगड (१२) चंदेरी (१३) जंजीरा (जंझीरे मेहरूब/झझीरा) (१४) ढाक (१५) पाचगड (१६) रायगड (पूर्वेकडील जिब्राल्टर म्हणतात.

ESTD. 1999

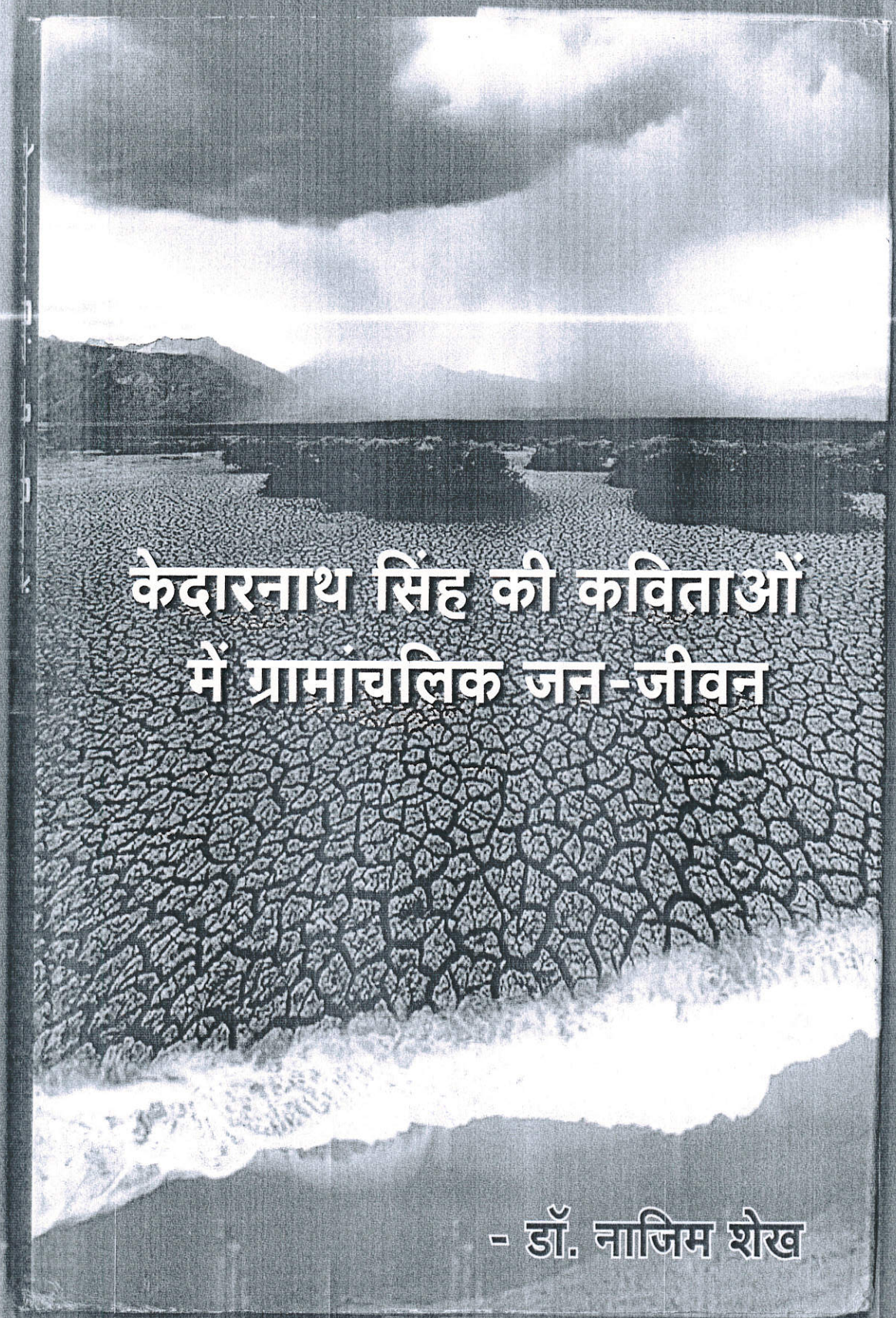

केदारनाथ सिंह की कविताओं में ग्रामांचलिक जन-जीवन

- डॉ. नाजिम शेख

College Peth Vadgaon Dist. Kolhapur ★ Shri. Vijaysinha
ESTD 1999

ISBN : 978-93-85673-04-7

पुस्तक : केदारनाथ सिंह की कविताओं में ग्रामांचलिक जन-जीवन

लेखक : डॉ. नाज़िम शेख

प्रकाशक : **निशा पब्लिकेशन एण्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स**
120/742 नारायणपुरवा, कानपुर
Email : nishapublication123@gmail.com
Mob. : 9506361570

संस्करण : प्रथम, 2019

© : लेखक

मूल्य : 350/-

शब्द-सज्जा : रुद्र ग्राफिक्स, कानपुर

मुद्रक : पूजा प्रिंटर्स, कानपुर

Kedarnath Singh Ki Kavitao Me Gramanchalik Jan-Jiwan
by : Dr. Nazim Shekh
Price : Three Hundred Fifty Only.

Shri Vijaysinha Yadav College Peth Vadgaon, Dist. Kolhapur
ESTD. 1999

आधुनिक हिन्दी कविता के विविध आयाम

संपादक
डॉ० अनिल पाटील
प्रा० सुधाकर इंडी

ए. बी. एस. पब्लिकेशन
वाराणसी–221 007

ESTD. 1999

प्रकाशक
ए.बी.एस. पब्लिकेशन
आशापुर, सारनाथ
वाराणसी-221 007 (उ०प्र०)
मो० 09450540654, 08669132434

✶

ISBN : 978-93-86077-89-9

✶

© संपादक

✶

प्रथम संस्करण : 2019

✶

मूल्य : 1200/-

✶

शब्द संयोजन :
रुद्र ग्राफिक्स

✶

मुद्रक :
पूजा प्रिण्टर्स
बसंत विहार, नौबस्ता

Aadhunik Hindi Kavita Ke Vividh Ayaam
***Editer :* Dr. Anil Patil, Prof. Sudhakar Indi**
Price : One Thousand Two Hundred Only.

40

चंद्रकांत देवताले की कविताओं में जनवादी चेतना

डॉ. नाजिम शेख

आधुनिक युग में कार्ल मार्क्स ने समाजवादी विचारधारा को सामने रखते हुए समाज के विभिन्न अंगों पर विस्तार से विमर्श किया। मार्क्स ने वैज्ञानिक ढंग से समाज व्यवस्था पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने शोषण को खत्म कर वर्ग विहीन समाज रचना की मांग की। मार्क्स के अनुसार– "समानता का अर्थ प्रत्येक व्यक्ति के लिए विकास और उन्नति का और जीविका निर्वाह का समान अवसर होना और प्रत्येक व्यक्ति को अपने परिश्रम के फल पर समान रूप से अधिकार प्राप्त होना है। जैसे– Equal opportunity for all from every man according to his work"– (यशपाल–मार्क्सवाद, पृ.62) मार्क्स की इस विचारधारा का असर विश्वभर के साहित्य पर पड़ा। मार्क्सवाद ने साहित्य को नई दिशा दी। मार्क्सवादी विचारों के प्रभाव में आकर विश्व की प्रगत भाषाओं में साहित्य लेखन हुआ। मार्क्सवाद ने साहित्य में नए मानदंड तय किए। वह नए मानदंड समाजवादी साहित्य के नाम से पहचाने जाने लगे।

चंद्रकांत देवताले साठोत्तरी पीढी के उन कवियों में रहे जिने की कविता सामाजिक यथार्थ और अपनी अंतरिक पीड़ा के कारण पहचानी जाती है। समकालीन सामाजिक समस्याओं को उन्होंने अपनी कविता का विषय बनाया। आजादी के तीस–चालीस वर्ष पश्चात् भी समाज का एक वर्ष वैसा ही रहा जिसे न दो वक्त की रोटी मिली न अंग भर कपड़ा मिला और न ही रहने के लिए मकान मिला। इन बुनियादी समस्याओं से घिरे हुए वर्ग को चंद्रकांत देवताले जी ने नज़दीक से देखा था। इस वर्ग के प्रति उनकी गहरी सहानुभूति रही। दो वक्त के लिए दर–दर भटकने वाले आदमी का और उसकी वेदना का यथार्थ चित्रण उनकी कविताओं में हुआ है–

शाम को सड़क पर
वह बच्चा
बचता हुआ कीचड़ से
टेम्पो, कार–तांगें से

शिवाजी विद्यापीठ, कोल्हापूर

दूर शिक्षण केंद्र

सर्जनशील लेखनाचे स्वरूप

एम. ए. भाग १ : मराठी

सत्र पहिले : अभ्यासपत्रिका क्र. ४.४

सत्र दुसरे : अभ्यासपत्रिका क्र. ८.४

(शैक्षणिक वर्ष २०१८-१९ पासून)

Shri Vijaysinha Yadav College Peth Vadgaon, Dist. Kolhapur
ESTD. 1999

अभ्यास घटकांचे लेखक

लेखक	घटक क्रमांक आणि शीर्षक
सत्र पहिले : अभ्यासपत्रिका क्रमांक ४.४ : सर्जनशील लेखनाचे स्वरूप	
डॉ. रमेश साळुंखे देवचंद कॉलेज, अर्जुननगर	१. सर्जनशील लेखन २. व्यवहारिक लेखन
डॉ. रफीक सूरज मुल्ला जयवंत महाविद्यालय, इचलकरंजी, जि. कोल्हापूर	३. अभिव्यक्तीचे मूलभूत प्रकार, कथनपद्धती आणि भाषा ४. अभिव्यक्ती प्रकारातील विविध घटकांचा शोध
सत्र दुसरे : अभ्यासपत्रिका क्रमांक ८.४ : सर्जनशील लेखनाचे स्वरूप	
डॉ. हिमांशू स्मार्त एफ-७०-७१, १०५९ ए वॉर्ड, चिंतामणी पार्क, फुलेवाडी रिंगरोड, कोल्हापूर	१. कथानकांचे विविध प्रकार
डॉ. बालाजी वाघमोडे आर्टस ॲण्ड सायन्स कॉलेज, आटपाडी	२. नाट्य निर्मितीच्या विविध तऱ्हा (पद्धती)
डॉ. प्रशांत गायकवाड विजयसिंह यादव आर्टस ॲण्ड सायन्स कॉलेज, पेठवडगांव	३. कविता
प्रा. एकनाथ पाटील कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज, उरुण-इस्लामपूर, ता. वाळवा, जि. सांगली.	४. सर्जनशील लेखन करताना आलेल्या अडचणी, भेडसावणारी आव्हाने याविषयी चर्चा

■ संपादक ■

डॉ. रमेश साळुंखे
देवचंद कॉलेज, अर्जुननगर,
ता. कागल, जि. कोल्हापूर

प्रा. एकनाथ पाटील
कर्मवीर भाऊराव पाटील कॉलेज,
उरुण-इस्लामपूर, ता. वाळवा, जि. सांगली.

International Conference on

Materials and Environmental Science

(ICMES-2018)

Jointly organized by

Shri Yashwantrao Patil Science College, Solankur

and

The New College, Kolhapur

In collaboration with

University Science Instrumentation Centre (USIC)

Department of Computer Science

and

Department of Botany

Shivaji University, Kolhapur

CSIR-New Delhi, Government of India

Sponsored

International Conference on Materials and Environmental Science [ICMES-2018]

Sr No	First Author	Title
1	Sandip R Sabale	Studies on catalytic activity of $MnFe_2O_4$and $CoFe_2O_4$MNPsas mediators in hemoglobin based biosensor
2	Shilpa S More	Investigation on bipolar resistive switching behavior of ZnO-GO composite
3	Sarita Patil	Gas sensing performance of hydrothermally synthesized indium oxide microbricks
4	V.P. Kothavale	Synthesis and Characterization of Sprayed N doped TiO_2 thin films
5	Sapana S. Rane	Solvothermally Synthesized Nickel Doped Tin Dioxide based Thick Films for H_2 and NH_3Gas Sensing
6	Vinayak C. Gavali	Property Enhancement of Carbon Fiber Reinforced Polymer Composites Prepared by Fused Deposition Modeling
7	V. P. Malekar	Characterization and Holographic study of nanostructure Copper Selenide thin films grown at room temperature
8	Sharanappa Chapi	An eco-friendly synthesis, characterisation and antibacterial applications of gellan gum based silver nanocomposite hydrogel
9	K.C. Rathod	Optical Structural and Morphological Studies of $Cu_{0.5}Zn_{0.5}Se$ thin film deposited by chemical bath deposition method.
10	Renuka Pawar	Preparation and Photoelectrochemical Application of Tin Sulfide Prepared by Spray Pyrolysis Technique
11	S.T. Pawar	Chemical Synthesis and Characterizations of ZnSe Based Pentanary Thin Films
12	M. B. Shelar	Synthesis and its structural properties of nano ferrites
13	A. J. Pawar	Modeling and Simulation of Zinc Oxide anode based Organic Light Emitting Diode
14	S. A. Lendave	Photodetection Performance Of The Electrochemical Cells Formed With Sb^{3+} Doped $Cd_{0.92}Hg_{0.08}S$ Electrodes
15	Vishal K. Pandit	Galvanostatically Deposited Polypyrrole Thin Films for Supercapacitor Application: Effect of Surfactant
16	Sandip V. Kamat	Studies on Air Exposure Effect on Polythiophene Thin Films
17	Sikandar H. Tamboli	Vapor chopped MgO thin film optical waveguide
18	Akshay A. Patil	Bipolar resistive switching in CrO_3 thin film memristive device for resistive

ISBN: 978-93-5346-224-6

18-19

Shri Vijaysinha Yadav College Peth Vadgaon, Dist. Kolhapur
ESTD. 1999

Shivaji University, Kolhapur
as per CBCS Syllabus

A Laboratory Manual of

PHYSICS

B. Sc. I

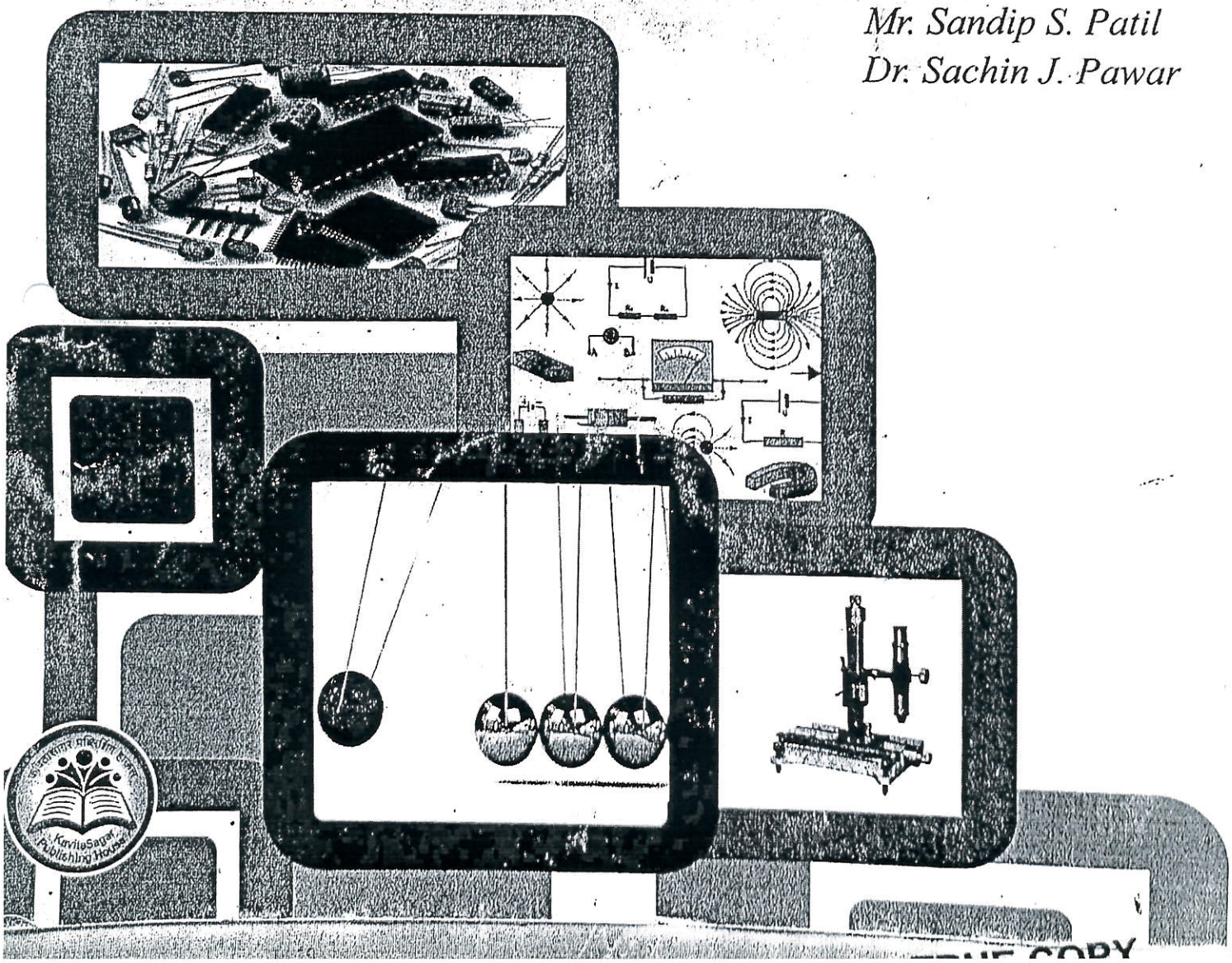

Mr. Sandip S. Patil
Dr. Sachin J. Pawar

Shri. Vijaysinha Yadav College Peth Vadgaon, Dist. Kolhapur
ESTD. 1999

Mr. Sandip Shripati Patil
M. Sc., SET
Assistant Professor in Physics and Head,
Department of Physics,
Shri Vijaysinha Yadav Arts & Science College,
Peth Vadgaon, Dist.-Kolhapur.

The thirst area of his research work is Hydrophobic Coatings and Materials. He possesses twelve years teaching experience at undergraduate level and enthusiastically guided many students for SET, NET-GRF. Having Life Member of Shivaji University Physics Teachers Association, he has contributed for spreading awareness about Physics among the students. He has published several research papers in reputed National and International Journals and participated in National and International conferences.

Dr. Sachin Jagadeo Pawar
M.Sc., Ph.D.
Assistant Professor in Physics,
Shri Vijaysinha Yadav Arts & Science College,
Peth Vadgaon, Dist.-Kolhapur.

An active researcher in Holographic Interferometry and Materials Sciences completed Ph.D. from Shivaji University, Kolhapur. With fifteen years experience in teaching at graduate and post graduate levels, he has actively contributed for inculcating Research Culture among the students. He has several research papers to his credit in national and international journals and presented his research work in India as well as abroad. Actively contributing for the popularization of Physics through Associate member - Institute of Physics, Londan and EC Member, Indian Association of Physics Teachers (RC 08).

- A Laboratory Manual of Physics
- ISBN 978-93-87127-21-0
- Price : **Rs. 50/-**
- KavitaSagar Publishing House
- 02322-225500, 9975873569
- email : sunildadapatil@gmail.com

ISBN 978-93-87127-21-0
9 789387 127210

ISSN 2349-638X
IMPACT FACTOR 4.574

INTERDISCIPLINARY NATIONAL SEMINAR

on

Role of Women in Literature, Humanities, Commerce & Sciences

15th sept. 2018

ORGANIZER

VITTHALRAO PATIL MAHAVIDYALAYA, KALE

[Arts, Commerce And Science]

Tal. Panahala Dist. Kolhapur (MS)

SPECIAL ISSUE OF
AAYUSHI INTERNATIONAL INTERDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL
(PEER REVIEW & INDEXED JOURNAL)
www.aiirjournal.com

EDITORS

Prin. Ladgaonkar B.M.
Dr. Selukar S.M.
Prof. Patil N.V.
Prof. Jadhav M.U.
Prof. Kamble J.A.

Sr.No.	Author Name	Research Paper / Article Name	Page No.
40.	Ram Gopal	INTRODUCTION TO 73rd AND 74th CONSTITUTIONAL AMENDMENT ACT	134 To 136
41.	Shri K. M. Desai	A STUDY OF THE PROBLEMS OF WOMEN DIRECTORS OF LIFT IRRIGATION CO-OPERATIVES SOCIETY IN KOLHAPUR DISTRICT	137 To 139
42	Ms. Socorina Fernandes	ROLE OF WOMEN IN SOCIAL SCIENCES	140 To 142
43	Dr.Archana Rajkumar Kamble (Jagatkar)	PARTICIPATION OF WASTE PICKER WOMEN IN WASTE MANAGEMENT	143 To 145
44	Dr. Varsha Sanjay Khude	E K JANAKI AMMAL: THE FIRST INDIAN GODDESS OF BOTANY	146 To 147
45	Dr.Seema Baswana	CONTRIBUTION OF INDIAN WOMEN NOVELISTS IN ENGLISH LITERATURE	148 To 150
46	Dr.Preeti	LABOUR FORCE PARTICIPATION OF WOMEN IN RURAL INDIA	151 To 153
47	Miss. Rupali S. Kamble	INDIAN SPORTSWOMEN PARTICIPATED IN ASIAN, COMMONWEALTH AND OLYMPIC GAMES	154 To 155
48	Dr.Mansingh S. Dabade	WOMEN ENTREPRENEURSHIP	156 To 159
49	Mr. Abhijeet Kamble	WOMEN ENTREPRENEURSHIP IN INDIA	160 To 162
50	Dr Kavita Dahiya	WOMEN ENTREPRENEURSHIP IN INDIA:CHALLENGES AND OPPORTUNITIES	163 To 166
51	प्रा. नितीन विठ्ठल पाटील	सूर्यबाला जी का हिंदी कहानी साहित्य में योगदान	167 To 169
52	प्रा. जेलित आनंदराव कांबळे	हिन्दी साहित्य में अलग वजूद रखनेवाली साहित्यकार मन्नू भंडारी	170 To 171
53	भागवत भगवान देवकाते	कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी के 'पॉच पांडव' उपन्यास में नारी की विविध भूमिकाएँ	172 To 174
54	श्रावण आबा कांबले	डॉ. अहिल्या मिश्र की 'मेरी इक्यावन कहानियॉ' इस कहानी संग्रह में चित्रित नारी पीडा	175 To 177
55	अंजली महेश उबाळे	कृष्णा सोबती के उपन्यासों में व्यक्त नारी समस्याएँ	178 To 181
56	डॉ. वर्षा निवृत्ती सहदेव	आज की हिन्दी कविता में स्त्री	182 To 185
57	वर्षा गजानन पाटील	डॉ. कुसुम कुमार का हिंदी नाटकों में योगदान	186 To 188
58	अनिषा	हिंदी साहित्य लेखन में स्त्रियों का योगदान	189 To 191
59	सुश्री. श्रीदेवी ववन वाघमारे	नारी जीवन की आत्मसार्थकता की तलाश (मृदुला गर्ग के 'उसके हिस्से की धूप' उपन्यास के संदर्भ में)	192 To 193
60	प्रा. डॉ. मीनाक्षी विनायक कुरणे	हिंदी कविता में पुरानी और नई स्त्री	194 To 197

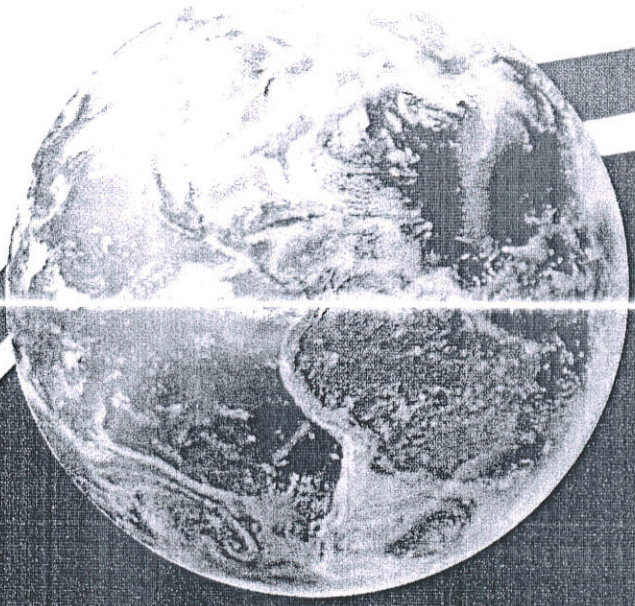

आधुनिक हिंदी कविता के विविध आयाम

- जनवादी कविता
- भूमंडलीकरण की कविता

संपादक : डॉ. अनिल पाटील
प्रा. सुधाकर इंडी

प्रकाशक
ए.बी.एस. पब्लिकेशन
आशापुर, सारनाथ
वाराणसी-221 007 (उ०प्र०)
मो० 09450540654, 08669132434

*

ISBN : 978-93-86077-89-9

*

© संपादक

*

प्रथम संस्करण : 2019

*

मूल्य : 1200/-

*

शब्द संयोजन :
रुद्र ग्राफिक्स

*

मुद्रक :
पूजा प्रिण्टर्स
बसंत विहार, नौवस्ता

Aadhunik Hindi Kavita Ke Vividh Ayaam
Editer : Dr. Anil Patil, Prof. Sudhakar Indi
Price : One Thousand Two Hundred Only.

समर्पण

शिक्षणमहर्षी डॉ. बापूजी साळुंखे जी
के जन्मशताब्दी वर्ष के उपलक्ष्य में
उन्हें सादर समर्पित...

Shri. Vijaysinha Yadav College Peth Vadgaon, Dist. Kolhapur ★ ESTD. 1999

36

जनवादी कवि गजानन माधव मुक्तिबोध

डॉ. सहदेव वर्षाराणी निवृत्तिराव

जनवाद शब्द अंगेजी के पर्यायवाची श द के रुप में प्रयुक्त किया जाता है। इसके लिए जनतंत्र, लोकतंत्र, लोकशाही आ दे शब्दों का भी प्रयोग किया जाता है, जिसका अर्थ है– एक ऐसा तंत्र या व्यवस्थ जिसमें जनता प्रमुख हो। जनवादी कविता प्रगतिवाद से भिन्न एक ऐसी विचारध रा है जिसमें कवियों ने जनता के लिए, जनता की भाषा में काव्य लिखा है। जनवादी कवियों ने किसी भी राजनीतिक मतवाद से दूर रहकर जनता क पक्ष लिया है। जनता की बेहतर जिंदगी के लिए अपनी कलम चलाई है। जनता के सुख–दुख को इन्होनें अभिव्यक्त किया है। जनता इनकी सबकुछ है, प्राण है। इसलिए इन्हें जनवादी कवि कहा जाता है।

मुक्तिबोध के शब्दों में, "जनता के मानसिक परिष्कार, उसके आदर्श, और मनोरंजन से लेकर क्रांति पथ की तरफ मोड़नेवाला प्राकृतिक शोभा और प्रेम, शोषण और सत्ता के घमंड को चूर करनेवाला स्वतंत्रता और मुक्ति गीतों को अभिव्यक्ति देनेवाला जनवादी काव्य है"[1]

मुक्तिबोध की जनवादी चेतना बहुत प्रखर थी। उन्होने तुच्छ से तुच्छ लोगों को भी अपनी कविता का नायक बनाया। स्व ंत्रता प्राप्ति के बाद मुक्तिबोध ने अपनी सम्पूर्ण ऊर्जा फासिज्म, साम्राज्यवाद औ पँजीवाद के विरुद्ध केंद्रित की और छोटी बडी अनेक राजनीतिक कविताएँ लि खी। मुक्तिबोध ने अपनी अधिकांश कविताओं में पूँजीवाद पर कठोर प्रहार किया हैं। पूँजीवाद के अमानवीय रुप को उजागर किया।

'सुखे कठोर नंगे पहाड' कविता जो ष्टजीवियों के प्रतिनिधि अर्थात मजदूर लोगों के नेताओं को संबोधित करके लिखी गई है। 'सूखे कठोर नंगे पहाड़' पूँजीवादी व्यवस्था के प्रतीक है। मुक्तिबो ने मजदुर नेता को महाश्रमिक और जनक्रान्ति रुप कहा है। जनकवि के रुप उन्हें केवल भारतीय जनता की [illegible] शोषित पीडित जनता की चिंता थी। उनकी जनकविताओं [illegible] प्रतिबिंबित है, जिसमें मानवता संघर्ष करते हुए स्वतंत्रता और [illegible] की ओर अग्रेसर है।

मुक्तिबोध ने बडी निर्भीकता के साथ अवसरवादी, तथाकथित बुद्धिवादी वर्ग को कडे शब्दों में निन्दा की है। वे सुविधावादी बुद्धिजीवियों को व्यंग्य तथा सीधी शब्दावली के द्वारा फ़ीका करते है, उनकी वास्तविकता का पर्दाफ़ाश करते है तथा उनके दुहरे जनविरोधी चरित्र को बेनकाब करते है, जो सामान्य भोले–भाले जन को बेवकूफ़ बनाने के लिए छद्म आवरण ओढ़े पड़े है। अपनी प्रसिद्ध कविता "कहने दो उन्हें जो कहते है" में मुक्तिबोध तथाकथित सफलता प्राप्त करने के लिए बेचैन उन बुद्धिजीवियों को ललकारते है, जो असत्य की कुर्सी पर आराम से बैठे हुए, मनुष्य की त्वचा का ओवरकोट पहने बंदरों और रीछों के समान नई–नई अदाओं में नाचते है।

बुद्धिजीवियों के चरित्र को नंगा करते हुए कवि कहता है–

"राजनीति, साहित्य और कला के प्रतिष्ठित महासूर्य।
बडे–बडे मसीहा। सरकस के जोकर से रिझाते है निरंतर।
नाचते है, कूदते है। शोषण में सिद्धहस्त स्वामियों के सामने।
व्यक्तिगत आर्थिक निज। क्षमता की हवेली पर। तारों नीचे
सोने के हेतु वे। चुपचाप आदर्शों को बाजू रख या भूलकर।
अवसरवादी बुद्धिमत्ता ग्रहण कर। और जिंदगी को भूलकर।
बिल्कुल बिक जाते है।" [2]

मुक्तिबोध की जनवादी कविता मे व्यवस्था के प्रति तीव्र आक्रोश दिखाई देता है। अनेक प्रकार से शोषण की प्रक्रिया को कवि ने उजागर किया है। कवि ने भारतीय संबंध को ध्यान मे रखकर उस विशाल जनसमूह को सर्वहारा माना जो गरीबी की विसंगतियों में पीस रहा है। अपने युग का एक ज्वलंत प्रश्न लेकर कवि सामने आता है। शोषणपरक अमानवीय व्यवस्था का चित्रण उनकी अधिकांश जनवादी कविता में है। एक के बाद एक समस्या को कवि अपने सामने पाता है। अपनी इन समस्याओं को कविता में रखकर वह पाठकोंको सचेत करना चाहता है। कवि शांति प्रेम सहयोग और सद्भाव की बात इसलिए कहता है कि, नगर, ग्राम सभी जगह लोग सुंदर और शोषणमुक्त रह सकें–

समस्या एक/मेरे सभ्य नगरों और ग्रामों में
सभी मानव
सुखी, सुंदर व शोषणमुक्त कब होंगे? [3]

मुक्तिबोध की जनवादी कविता भी शोषणकर्ताओं के विरुद्ध विद्रोह की घोषणा करती है। शोषणपरक अमानवीय व्यवस्था का चित्रण उनकी "इसी बैलगाडी को" कविता में है। यह प्रतीकात्मक कविता है, जिसमें ग्रामीण संस्कृति का प्रतीक बैलगाडी को दिखाया गया है। वस्तुतः कवि ने बैलगाडी का प्रयोग सामान्य जन–जीवन के संदर्भ में किया है। यही जीवन गाँव तथा शहर दोनों जगहों पर है, फ़र्क केवल आबोहवा का है। कविने इसमें किसान के जीवन में पैदा होनेवाली अनेकानेक ीबतों और परेशानियों को व्यक्त किया है। साथ ही अपने हकों के लिए ल का संदेश दिया है–

Shri Vijaysinha Yadav College Peth Vadgaon, Dist. Kolhapur
ESTD. 1999

ISSN 2349-638X
IMPACT FACTOR 4.574

INDIAN DEMOCRACY AND ITS CHALLENGES

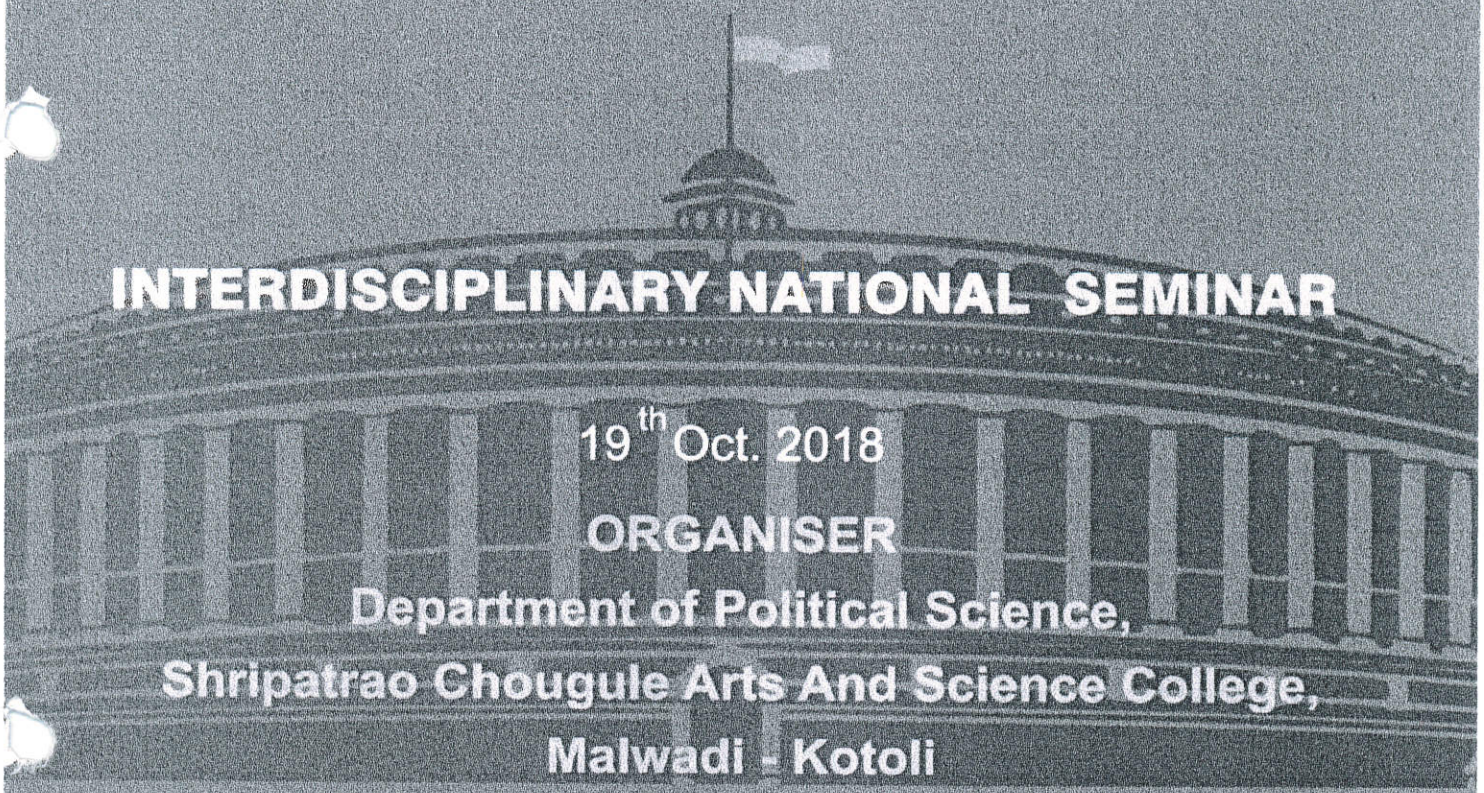

INTERDISCIPLINARY NATIONAL SEMINAR

19th Oct. 2018

ORGANISER

Department of Political Science,
Shripatrao Chougule Arts And Science College,
Malwadi - Kotoli

SPECIAL ISSUE OF
AAYUSHI INTERNATIONAL INTERDISCIPLINARY RESEARCH JOURNAL
PEER REVIEW & INDEXED JOURNAL
www.aiirjournal.com

Chief Editor
Prin.Dr. P. A. Attar

92.	सचिन टी . धुर्वे	भारतात महिला सक्षमीकरण	364 To 366
93.	प्रिया गणपत पोवार	स्त्री शिक्षण राज्य शासनाची भूमिका	367 To 369
94.	कु . चंद्रकला वसाप्पा शिलेदार	स्त्री विकासाची वाटचाल	370 To 373
95.	मोहन गणपती हजारे	दहशतवाद ः भारतीय लोकशाहीसमोरील एक आव्हान	374 To 380
96.	प्रा. सुनिताशरद इंगळे	भारतातील लोकशाही प्रक्रिया आणि राजकारण	381 To 382
97.	धनराज रावसाहेब बिक्कड	शाश्वत विकास व आव्हाने	383 To 387
98.	प्रा. डी.एन महाडिक कु. सोनाली सुहास सुतार कु. दिपक सुरज शंकर	भारतीय लोकशाहीसमोरील आव्हानांचा अभ्यास	388 To 394
99.	नामदेव आप्पा नांदवडेकर	अंधश्रध्दा : भारतीय लोकशाहीसमोरील मोठे आव्हान	395 To 398
100.	आनंद बांदेकर	भारतीय लोकशाही व महिला सक्षमीकरण	399 To 401
101.	संभाजी राजाराम उबारे	भारतीय लोकशाही व त्यासमोरीलआव्हाने	402 To 403
102.	आर.डी. पाटील	स्त्री सक्षमीकरण–संरक्षण	404 To 409
103.	देविदास व्ही. भोसले	सोशल मिडिया द्वेष पसरविण्याचे नवीन साधन आणि त्याचा अंतर्गत सुरक्षितेवरती होणारा परिणाम	410 To 416
104.	मोनालिसा अ खानोरकर	स्त्रीयांना निसर्गतः मिळालेला मानवाधिकार	417 To 419
105.	प्रा ज्योती उद्धवराव मामडगे	मानव अधिकार व स्त्री	420 To 422
106.	श्रीमती एस . एस . पाटील	भारतीय लोकशाहीमधील स्त्री शिक्षणाची भूमिका	423 To 425
107.	नम्रता अर्जुन इंगवले	भारताच्या विकासासाठी स्त्री सक्षमीकरणाची गरज	426 To 430
108.	सहा . प्रा . रूपाली सुनिल पाटील	शाश्वत विकास आणि आव्हाने	431 To 435
109.	कु. राजाक्का बाळू चौगले	भारतीय लोकशाहीचे स्थित्यंतरे	436 To 437
110.	व्ही. एस्. यमगेकर	खेळ व खेळाडुंच्याविकासात शासनाचेप्रयत्नआणियोगदान	438 To 439
111.	संयोगिता दिलीप सोरटे	भारतीय लोकशाही व आर्थिक धोरण	440 To 442
112.	सौ.सुषमा विलासराव जाधव	महिला सबलीकरण : सहकारी चळवळ	443 To 446
113.	प्रभूदास आनंदराव खाबडे	लोकशाही समोरील लोकशाही मार्गाने येणा–या फेसिझमचे आव्हाने	447 To 449
114.	प्रा. शरद विठ्ठल पाटील	लोकशाही समोरील आव्हान – जातियता	450 To 454
115.	प्रा.संतोष निवृत्ती कांबळे	भारतीय लोकशाही समोरील आव्हान– भ्रष्टाचार	455 To 456
116.	शितल चंद्रकांत पाटील	भारतीय संविधान आणि महिला सक्षमीकरण	457 To 459
117.	सचिन श्रीरंग चव्हाण	भारतीय लोकशाही पुढील आव्हान : अंतर्गत सुरक्षा	460 To 463
118.	उदय बालासो शिंदे	तुकारामांच्या अभंगवाणीतील काव्यसौंदर्य. तत्कालीन लोकशाही मुल्य	464 To 467
119.	रोहिणी रामचंद्र शेवाळे	भारतीय लोकशाही समोरील आव्हाने	468 To 470
120.	गजानन विठ्ठल बोधले	भारतीय लोकशाही समोरील आव्हाने	471 To 474
121.	डॉ. करीम नबी मुल्ला	निवडणूकीतील गुन्हेगारी व संपत्तीचा वाढता प्रभाव: लोकशाही समोरील आव्हान	475 To 477
122.	डॉ . हसीन गुलाब वलांडकर	मानव विकास निर्देशांक व भारत	478 To 480